दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

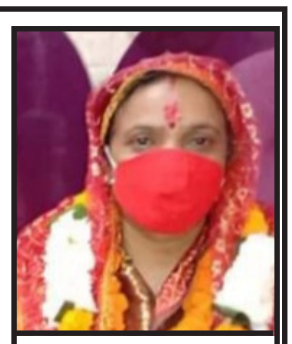

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

UTTHIN/2022/85670

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 | अंक : 20 | हरिद्वार | शनिवार, 24 मई, 2025 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

महिला सशक्तिकरण के बिना विकसित राष्ट्र की संकल्पना अधूरी :डॉ धन सिंह रावत

अल्मोड़ा। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में आज विकासभवन सभागार में सहकारिता से महिला सशक्तिकरण विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी का आयोजन अल्मोड़ा सहकारी बैंक तथा सहकारिता विभाग अल्मोड़ा द्वारा किया गया। गोष्ठी में सहकारिता मंत्री उत्तराखंड डॉ धन सिंह रावत ने बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने वाले स्वयं सहायता समूहों एवं महिलाओं को कैबिनेट मंत्री डॉ धन सिंह रावत द्वारा सम्मानित किया गया तथा महिलाओं एवं स्वयं सहायता समूहों को ब्याज रहित ०न पर 65.०० लाख के चेक भी वितरित किए। यह धनराशि महिलाओं को रोजगार प्रेरक कार्य करने हेतु प्रदान की गई है। गोष्ठी को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के बिना किसी भी राष्ट्र के विकास की

संकल्पना नहीं की जा सकती। महिला सशक्तिकरण में ही किसी भी देश का विकास परिलक्षित होता है। उन्होंने कहा कि इसी मूलमंत्र को अपनाते हुए हमारी सरकार महिलाओं को आगे लाने का निरंतर प्रयास कर रही है। महिलाओं के विकास के लिए भिन्न भिन्न योजनाएं धरातल पर उतर रहीं हैं। लखपति दीदी कार्यक्रम हो या महिलाओं के लिए 3० प्रतिशत का आरक्षण। ये सभी महिला सशक्तिकरण को लेकर हमारी उपलब्धियां हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग के माध्यम से महिलाओं को ऋण देकर उन्हें आत्मनिर्भर करने का प्रयास भी हमारी सरकार कर रही है। अब महिलाएं स्वयं घर की मुखिया बन रही हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2०25 में राज्य में 2 लाख लखपति दीदी बनने का लक्ष्य मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने रखा है। इस लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। 4० कार्य चिन्हित किए जा चुके हैं, जो महिला स्वयं सहायत समूह के माध्यम से किए जा सकते हैं, इन समूहों को आर्थिक रूप से मदद भी हम उपलब्ध करवा रहें हैं। इस गोष्ठी में महिलाओं ने भी अपने अपने विचार रखे तथा अपने अनुभव साझा किए। साथ ही अन्य वक्ताओं ने भी महिला सशक्तिकरण एवं सहकारिता को लेकर विचार व्यक्त किए। इस दौरान विधायक जागेश्वर मोहन सिंह मेहरा, जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, जिलाध्यक्ष भाजपा महेश नयाल, प्रभारी उप निबंधक कुमाऊँ मंडल हरीश खंडूरी ,पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, डीसीबी के पूर्व चेयरमैन ललित लटवाल, सहकारिता विभाग तथा अल्मोड़ा सहकारी बैंक के अधिकारी समेत मातृ शक्ति तथा अन्य उपस्थित रहे।

एसडीएम ने बैठक कर जनसमस्याएं सुनीं

पिथौरागढ़। विकास खण्ड के सभागार में एसडीएम खुशबू पाण्डेय व प्रशासक क्षेत्र पंचायत सुनीता कन्याल की अध्यक्षता में तहसील दिवस का आयोजन हुआ। इस दौरान एसडीएम पाण्डेय ने लोगों की समस्याएं सुनीं। यहां कलावती देवी ने राशन कार्ड ,मिताड़ीगांव के जगत राम ने पेयजल , सुरौण के लक्ष्मण सिंह ने ग्राम पंचायत की समस्याएं रखी। एसडीएम ने सभी समस्याओं का जल्द निस्तारण करने का आदेश संबंधितों को दिया। इस अवसर पर पशु पालन विभाग से डॉ.संजय बसेड़ा,थानाध्यक्ष आरती सहदेव, खण्ड विकास अधिकारी प्रेम राम,उद्यान विभाग से अश्विनी,तहसीलदार राम प्रसाद, कानूनगो शंकर कापड़ी व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दून शहर में बढ़ते जल संकट को लेकर मटका लेकर जल संस्थान पहुंचे कांग्रेस नेता

देहरादून। दून शहर में बढ़ते जल संकट को लेकर मंगलवार को मटका लेकर दिलाराम चौक स्थित जल संस्थान कार्यालय पहुंचे। उन्होंने जल संस्थान के खिलाफ नारेबाजी की। साथ ही पेयजल समस्या के समाधान के लिए मटका फोड़कर प्रदर्शन किया। शहर के पेयजल संकट से जूझ रहे इलाके के लोग और कांग्रेस नेता पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा और पूर्व विधायक राजकुमार के नेतृत्व दिलाराम स्थित जल संस्थान के अधिशासी अभियंता कार्यालय पहुंचे। उन्होंने पेयजल के साथ ही सीवर की समस्याओं को रखा। कहा कि शहर में ओंकार रोड, चुक्खूवाला, गुरूनानक स्कूल वाली गली, अपर राजीवनगर, कम्बोज वाली गली, आरजीएम प्लाजा समेत अनेक इलाकों में पानी की समस्या बनी हुई है। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि राजपुर रोड जैसी मुख्य जगहों पर सीवर लाईन का कार्य नहीं हो पाया है जिसे शीघ्र कराया जाना चाहिए। पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने चोक हुई सीवर लाइनों की समस्या भी रखी और कहा कि शहर में जगह-जगह सीवर सड़कों पर बह रहा है। चुक्खुवाला के पार्षद अर्जुन सोनकर ने चेतावनी दी है की अगर जल संस्थान ने पानी की समस्या का निस्तारण नहीं किया तो वह जल संस्थान दफ्तर में तालेबंदी के लिए बाध्य होंगे। प्रदर्शन में पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, पूर्व विधायक राजकुमार, प्रदेश प्रवक्ता मोहन कुमार काला, पूर्व पार्षद प्रकाश नेगी, पार्षद अमित भण्डारी, व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील बांगा, कैलाश अग्रवाल, संजय किशोर, संजय जायसवाल, सिद्दीकी, संदीप, आशू रतूड़ी, सौरभ थापा, राधा सैनी, सोनू फरासी, पायल जायसवाल, असद, अंबिका, रिंकू सोनू पुजारी, असद खान, मोनू समेत अन्य मौजूद रहे।

गुरुकृपा दर्पण (राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैन, संवाददाताओं की। सम्पर्क करें – 9410731129, 9548880101

अफवाहों पर अंकुश लगाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिकाः डीएम

हरिद्वार। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आपदा प्रबंधन में मीडिया की भूमिका विषयक पर एक कार्यशाला का आयोजन मेला नियंत्रण भवन के सभागार में जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह ने कहा कि आपदा प्रबंधन में मीडिया की भूमिका विषय पर कार्यशाला आयोजन का मुख्य उद्देश्य आपदा से पहले, आपदा के दौरान व आपदा के बाद मीडिया एंव प्रशासन की भूमिका व कमियों के बारे चर्चा करना है।उन्होंने कहा कि आपदा के दौरान सही जानकारी व समयबद्धता सबसे ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा कि सही व सटीक जानकारियां जनता तक उपलब्ध कराने में समाचार पत्र, आउटलेट, रेडियो, टेलीविजन, आदि आपदा की प्रकृति, निकासी प्रक्रियाओं, सुरक्षा दिशा-निर्देशों, आपातकालीन संपर्क जानकारी और उपलब्ध संसाधनों के बारे में महत्वपूर्ण अपडेट प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और भ्रामक व गलत जानकारियों के

खण्डन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विश्वसनीय जानकारी प्रदान करके, मीडिया व्यक्तियों को सूचित निर्णय लेने और खुद को और अपने समुदायों की सुरक्षा के लिए उचित कार्रवाई करने में मदद करता है साथ ही उन्होंने कह की आपदा प्रबंधन और मीडिया को आपसी समन्वय के साथ काम करना चाहिए। जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह ने कहा कि आपदाओं के दौरान मीडिया की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जिसमें से विशेष भूमिका है कि जनता को समय पर और सटीक जानकारी प्रदान करना। आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत ने कार्यशाला के संचालन के दौरान राज्य में आपदा प्रबंधन कब लागू हुआ ,राज्य सलाहकार समिति में कौन कौन सदस्य है और आपदा प्रबंधन एक्ट के नियम एवं कानून के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान विभिन्न एनडीआरएफ ओर एसडीआरएफ विशेषज्ञों ने आपदा में मीडिया की भूमिका बचाव व किस तरह से विश्वसनीय जानकारियों से लोगों को भयभीत होने से बचाया जाये सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। इस दौरान बड़ी संख्या में पत्रकार एवं छायाकार उपस्थित थे।

सम्पादकीय

विपक्ष का सकारात्मक रूख

सम्पादक – **देवेन्द्र जौहरी**

7 मई 2025 को भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पहलगाम की आतंकी घटना पर ऑपरेशन सिंदूर चलाकर जैश हिजबुल के पाकिस्तान में ठिकानों पर कार्यवाही की थी और उसका समर्थन देश के दिग्गज नेता असुद्दीन उवैसी और कांग्रेस नेता शशि थरूर ने यह कह कर किया था कि भारत सरकार ने सक्षम कार्यवाही की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का समर्थन किया था। ए आई एम् एम के नेता असुद्दीन उवैसी ने कहा कि पाकिस्तान अंतराष्ट्रीय भिखारी है और कोई भी मुसलमान या कुरान को मानने वाला यह नहीं कहता कि निर्दोषों को कत्ल किया जाए। इतना ही नहीं ओवैसी ने कहा कि भारत के मुस्लिम सुरक्षित हैं। दुनियां में सबसे ज्यादा मुसलमान भारत में ही हैं। और प्रगतिशील हैं। सांसद असाउद्दीन ओवैसी देश में भारतीय जनता पार्टी के मुखर विरोधी हैं लेकिन जब देश की बात आती है तो उन्होंने अपना रुख स्पष्ट किया।

ट्रक चालक ने बैंक्वेट हॉल की दीवार में मारी टक्कर

रुड़की। वीरेंद्र कुमार निवासी ग्राम मोहनपुरा रुड़की ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि लिब्बरहेड़ी के पास उसका बैंक्वेट हॉल है। 16 मई को सुबह के समय एक ट्रक चालक ने तेजी और लापरवाही से चलाकर उनके बैंक्वेट हॉल की दीवार में टक्कर मारकर तोड़ दी। वहीं सो रहे चौकीदार ने किसी तरह घटनास्थल से भाग कर अपनी जान बचाई। पीड़ित ने बताया कि आरोपी ने उसका लाखों रुपये का नुकसान हो गया है ड्ड पुलिस ने तहरीर के आधार पर ट्रक के अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

उत्कर्ष स्वयं सहायता समूह द्वारा खानपुर में रेस्टोरेंट की शुरुआत

हरिद्वार। जनपद हरिद्वार के विकासखंड खानपुर में एनआरएलएम के अंतर्गत गठित उत्कर्ष स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों ने ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के सहयोग से एक नई पहल की शुरुआत की। समूह की महिलाओं द्वारा खानपुर-पुरकाजी मार्ग पर 卐उत्कर्ष रेस्टोरेंट卐 की स्थापना की गई, जिसका शुभारंभ खंड विकास अधिकारी खानपुर जगेन्द्र सिंह राणा के द्वारा किया गया।इस अवसर पर सहायक खंड विकास अधिकारी, एनआरएलएम एवं ग्रामोत्थान परियोजना के ब्लॉक स्तर के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।इस नई शुरुआत से न केवल महिला समूहों को रोजगार के एक स्थायी एवं सशक्त माध्यम की प्राप्ति हुई है, बल्कि इससे क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण को भी नई दिशा मिली है। रेस्टोरेंट की शुरुआत करने वाली उत्कर्ष स्वयं सहायता समूह की महिलाएं अब स्थानीय व्यंजन, नाश्ते एवं स्वादिष्ट भोजन के माध्यम से आमदनी अर्जित करेंगी। इस प्रयास से वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगी और अन्य समूहों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनेंगी। यह पहल स्वयं सहायता समूह की मूल अवधारणा–सामूहिक प्रयास, आत्मनिर्भरता और स्थानीय संसाधनों का सदुपयोग–को साकार करती है। ग्रामोत्थान परियोजना एवं एनआरएलएम के सहयोग से ऐसी आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देना ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के समग्र विकास की दिशा में एक सशक्त कदम है। रेस्टोरेंट का संचालन पूरी तरह से समूह की महिलाएं करेंगी, जिससे उन्हें व्यवसाय प्रबंधन, विपणन एवं सेवा क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। यह मॉडल भविष्य में अन्य स्वयं सहायता समूहों के लिए भी अनुकरणीय सिद्ध होगा।

हरिद्वार में मंदिरों में चोरी करने वाला शातिर चोर झज्जर (हरियाणा) से गिरफ्तार

हरिद्वार जिले के थाना झबरेड़ा क्षेत्र में बीते दिनों मंदिरों में हो रही चोरियों ने लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए हरिद्वार पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के निर्देश पर एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस की गहन छानबीन और तकनीकी सर्विलांस की मदद से अंतत: शातिर चोर सुल्तान अहमद उर्फ अली उर्फ पप्पू को हरियाणा के झज्जर से गिरफ्तार किया गया। दिनांक 14 मई 2025 को ग्राम बेहेडेकी सैदबाद स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री कन्हैया जी मंदिर से लड्डू गोपाल जी की पीतल की मूर्ति चोरी हो गई थी। इस मामले में थाना झबरेड़ा में अपराध संख्या 150/25 धारा 305(स्र) बीएनएस के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। इसी प्रकार की चोरी की घटनाएं भगवानपुर क्षेत्र से भी सामने आईं थीं। पुलिस ने मंदिरों में चोरी के पुराने मामलों के डाटा को खंगालना शुरू किया। पता चला कि पिछले वर्ष सहारनपुर के शिव मंदिर से चांदी का नाग चुराने वाले आरोपी का हुलिया हाल ही में हुई चोरी से मेल खा रहा है। तकनीकी जांच में सामने आया कि आरोपी सुल्तान अहमद हाल ही में झज्जर, हरियाणा में रह रहा है। पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए झज्जर में दबिश दी और सिलानी गेट चौक के पास से सुल्तान अहमद को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह चोरी का सामान कलियर क्षेत्र में स्थित एक कबाड़ी को बेच चुका है। इसके आधार पर कबाड़ी की दुकान पर छापेमारी की गई, जहां से चोरी की गई मूर्तियां और अन्य मंदिर सामग्री बरामद की गई। चोरी का सामान खरीदने के आरोप में कबाड़ी के नाबालिग बेटे को भी संरक्षण में लिया गया है।

पुलिस दो मंदिर में हुई चोरी का खुलास कर मूर्ति बरामद की

रुड़की। कस्बे में स्थित दो शिव मंदिर से एक सप्ताह पूर्व चोरों ने मंदिर से चांदी का छतर, घंटे शेषनाग आदि सामान चोरी कर लिए गए थे। दो दिन बाद कन्हैया मंदिर से भी लड्डू गोपाल की पीतल से निर्मित मूर्ति चोरी हुई थी। पुलिस ने चोर को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से मंदिर से चोरी सामान भी बरामद किया है। कस्बे में स्थित नंदावाला बाग प्राचीन शिव मंदिर से 13 मई की दोपहर चोर ने मंदिर से मां दुर्गा के ऊपर से लगा चांदी का छतर, दो पीतल के घंटे, तांबे का शेषनाग और एक तांबे का कलश चोरी कर लिया था। इसके दो दिन बाद कस्बे में ही स्थित चरत धाम शिव मंदिर से भी पीतल से निर्मित घंटा, शेषनाग तांबे से निर्मित और पीतल से निर्मित पंचशील चोरी कर लिए गए थे। पुलिस ने दोनों घटना का केस दर्ज किया था। पुलिस तभी से घटना के खुलासे करने में लगी थी। थानाध्यक्ष अजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने मंदिरों के आसपास के सभी सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले।

गंगा के सभी पुल नो वेंडिंग जोन हुए घोषित, जल्द होंगे अतिक्रमण मुक्त

हरिद्वार। नगर आयुक्त नंदन कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजति टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक में लघु व्यापारियों को नगरीय फेरी नीति नियमावली के तहत बसाए जाने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही गंगा के सभी घाटों के पुलों को नो वेंडिंग जोन घोषित कर अतिक्रमण मुक्त बनाने का निर्णय लिया गया। तय किया गया कि अन्य 12 वेडिंग जोनों के फिर से सर्वे कराकर वर्ष 2018 के पंजीकृत सभी स्ट्रीट लघु व्यापारियों को समाहित करने के लिए चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट पेश करें। बैठक में लघु व्यापारियों को बसाने के लिए भगत सिंह चौक से सेक्टर 2 बैरियर के वेंडिंग जोन को व्यवस्थित किए जाने के साथ रोड़ी बेलवाला महिला पिक वेंडिंग जोन की महिलाओं को उचित स्थान दिए जाने को लेकर सहायक नगर आयुक्त महेंद्र यादव की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई।

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

ऑपरेशन सिंदूर : राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय सम्मान का संगम

सुश्री लक्ष्मी पुरी

ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट किया है कि भारत वैधता नहीं चाहता है। देश न्याय चाहता है। भारतीय संयम को कभी भी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवादी कृत्य के प्रति भारत की जवाबी प्रतिक्रिया – ऑपरेशन सिंदूर, जो अभी भी जारी है - आतंकवाद-रोधी और सैन्य सिद्धांत तथा रुख में एक बड़े बदलाव का संकेत देता है। अपने जोशीले भाषण में, जिसकी गूंज पूरे भारत और दुनिया के विभिन्न देशों की राजधानियों में सुनायी दी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा करते हुए कहा कि सीमा-पार आतंकवाद के किसी भी कृत्य के खिलाफ निर्णायक सैन्य कार्रवाई की एक नई सामान्य स्थिति स्थापित की गई है। कोई भी देश, जो आतंकवादी अवसंरचना को पनाह देता है, उसे वित्तीय मदद देता है और उसका पोषण करता है, उसे अपने सैन्य बलों के साथ जोड़ता है और निर्दोष नागरिकों के खिलाफ क्रूर हमलों के लिए भारत को निशाना बनाता है, उसे त्वरित, दंडात्मक और प्रतिशोधी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। सोची-समझी सैन्य कार्रवाई से न केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बल्कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के बीच में भी आतंकवादी नेटवर्क ध्वस्त हो जाएंगे, भले ही राज्य प्रायोजित आतंकवादी ठिकाने आधिकारिक सुरक्षा संरचनाओं के साथ कितने भी जुड़े हुए हों। सिंदूर सिद्धांत, भारत की संप्रभुता और सभ्यतागत लोकाचार को बनाए रखने में निहित है। इसका उद्देश्य इसकी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना, आंतरिक एकता, सद्भाव और शांति सुनिश्चित करना और 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए देश को त्वरित आर्थिक विकास के पथ पर आगे बढ़ाना है। यह सीमा-पार आतंकवाद के प्रति शून्य-सहिष्णुता के रुख की पुष्टि करता है और भारत को अपने सुरक्षा हितों की रक्षा में निर्णायक रूप से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध करता है, जिसे पुनर्परिभाषित और विस्तृत किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा है- भारत के खिलाफ़ किसी भी तरह की आतंकी कार्रवाई युद्ध मानी जायेगी - अब कोई संदेह की स्थिति नहीं है, किसी दूसरे तरीके से युद्ध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, आतंकवाद से होने वाले नुकसान के आगे हार नहीं मानी जाएगी। ऑपरेशन के बाद राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष प्रधानमंत्री का संबोधन सफलता की पुष्टि से कहीं अधिक था। बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर दिए गए इस संबोधन ने एक नई रणनीतिक व्यवस्था का अनावरण किया- दृढ़, गरिमापूर्ण और भारत के सभ्यतागत मूल्यों पर आधारित। इसने एक सरल लेकिन दृढ़ संदेश दिया- भारत शांति में विश्वास करता है, लेकिन शांति को शक्ति का समर्थन होना चाहिए। अपने मूल में, प्रधानमंत्री मोदी का सिंदूर सिद्धांत तीन अलग सिद्धांतों पर जोर देता है, जिन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। पहला, भारत उन देशों के साथ कोई बातचीत नहीं करेगा, जो आतंक को बढ़ावा देते हैं; जब बातचीत फिर से शुरू होगी, तो यह द्विपक्षीय होगी तथा इसमें केवल आतंकवाद और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर चर्चा होगी। दूसरा, भारत आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों के साथ आर्थिक संबंधों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करता है तथा व्यापार और राष्ट्रीय सम्मान के बीच एक सुदृढ़ रेखा खींचता है। अंत में, भारत अब परमाणु धमकी को बर्दाश्त नहीं करेगा- ऑपरेशन सिंदूर ने निर्णायक रूप से उन सभी भ्रमों को तोड़ दिया है कि परमाणु खतरे, आतंकी कृत्यों के ढाल बन सकते हैं। सिंदूर नाम का चयन गहन सांस्कृतिक प्रतीकात्मकता को रेखांकित करता है। विवाहित हिंदू महिलाओं द्वारा पहना जाने वाला लाल सिंदूर - पीड़ित होने के रूपक के रूप में नहीं, बल्कि पवित्र कर्तव्य और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया गया। आतंकवादियों ने इस सम्मान को अपवित्र करने की कोशिश की; भारत ने पूरी ताकत के साथ जवाब दिया। व्यक्तिगत राजनीतिक हो गया, सांस्कृतिक रणनीतिक हो गया। चूंकि आतंकी हमला कश्मीर में हुआ था, जो भारत माता का भौगोलिक और प्रतीकात्मक सिर है, इसलिए ऑपरेशन सिंदूर भारत माता की रक्षा करने और उसे सलाम करने के लिए है। भारत की प्रतिक्रिया एक सैद्धांतिक विरासत का अनुसरण करती है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र से लेकर 1980 के दशक के इंदिरा सिद्धांत तक तथा 1998 में पोखरण-द्वय परीक्षणों के जरिए वाजपेयीजी के साहसिक परमाणु दावे से लेकर -जिसने वैश्विक दबावों और प्रतिबंधों के बावजूद भारत के आत्मरक्षा के संप्रभु अधिकार की पुष्टि की और विश्वसनीय न्यूनतम अवरोध की नीति स्थापित की-से लेकर उरी और बालाकोट में प्रदर्शित मोदी सिद्धांत तक, भारतीय शासन नीति ने लंबे समय से संकट के समय और राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मामलों में संप्रभु निर्णय लेने की आवश्यकता पर जोर दिया है। सिंदूर सिद्धांत इसे आगे बढ़ाता है, आत्मविश्वास से भरे भारत ने इसका समर्थन किया है। देश अपने मूल हितों तथा अपने नागरिकों की संरक्षा और सुरक्षा के लिए स्वतंत्र व मजबूती से काम करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। भू-राजनीतिक रूप से, इस ऑपरेशन ने क्षेत्रीय उम्मीदों को फिर से स्थापित किया है। आतंकवाद के लिए ढाल के रूप में परमाणु शक्ति का इस्तेमाल करने के आदी पाकिस्तान का सीधे सामना किया गया है। दंड से मुक्ति का भ्रम टूट गया है। चीन, हालांकि औपचारिक रूप से तटस्थ है, उसे अपने सहयोगी की कमज़ोरी को समझना होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका से लेकर रूस तक, वैश्विक शक्तियाँ भारत को बाहरी संकेत या समर्थन की प्रतीक्षा किए बिना कार्रवाई करते हुए देख रही हैं। अन्य पड़ोसियों को अब अपनी दुर्भावना और भारत विरोधी कार्रवाइयों के परिणामों का आकलन करना चाहिए। पिछले 11 वर्षों में, भारत ने कई भौगोलिक क्षेत्रों में और प्रमुख शक्तियों के साथ द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी का एक सघन और मजबूत नेटवर्क सफलतापूर्वक निर्मित किया है। इसने बहुपक्षीय और लघुपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर-क्षेत्रीय सहयोग व्यवस्थाओं में भाग लिया है और मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, प्रमुख शक्तियों और इन साझेदारियों से जुड़े भारत के कई रणनीतिक और रक्षा संबंध अग्नि परीक्षा से गुजरे। पहलगाम के बाद, संतोषजनक बात यह थी कि हमारे भागीदारों द्वारा आतंकवादी हमलों की सार्वभौमिक निंदा की गयी। हालाँकि, ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान की तीव्र कार्रवाई के बाद, परमाणु-संपन्न पड़ोसियों के बीच तनाव बढ़ने के बारे में चिंताएँ व्यक्त की गईं। प्रतिक्रियाएँ इस बात से भी प्रभावित थीं कि इस सैन्य संघर्ष में उनके हथियार प्रणालियों ने कैसा प्रदर्शन किया या कि क्या प्रदर्शन करने में विफल रहे। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमें न केवल अपने रणनीतिक साझेदारों को सावधानी से चुनना चाहिए, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि ये साझेदारियाँ सिंदूर सिद्धांत को शामिल करती हों। इसका मतलब यह है कि उन्हें पाकिस्तान पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके उसके आतंकी ठिकानों को खत्म करना चाहिए और राज्य-नीति के रूप में आतंकवाद का परित्याग करना चाहिए। यदि हमें पाकिस्तानी आतंकवादी-सैन्य ढांचे के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सैन्य बल का इस्तेमाल करना पड़ता है, तो उन्हें हमारे साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। दुष्टों के लिए कोई शरणस्थली नहीं, कोई बचाव नहीं। महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत जिस आतंकी ढांचे को निशाना बना रहा है, वह न सिर्फ भारत और लोकतंत्र के लिए, बल्कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि और विकास के इंजन के रूप में देश की भूमिका के लिए भी खतरा है। पाकिस्तान से आतंकवाद को वैश्विक स्तर पर निर्यात किया जाता है - यूरोप, यूके, संयुक्त राज्य अमेरिका और उससे आगे। फिर भी, अंतरराष्ट्रीय समुदाय का अधिकांश हिस्सा आंखें मूंद कर बैठा है, जबकि संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादी समूह पाकिस्तान में खुलेआम काम करते हैं। पाकिस्तान पहले भी आतंकवादी समूहों की शरणस्थली था और अब भी है। ऑपरेशन सिंदूर 1.० के दौरान, पाकिस्तान के रक्षा और विदेश मंत्रियों ने सार्वजनिक रूप से इतना स्वीकार किया। भारत ने आतंक के इस असंख्य सिर वाले राक्षस के खिलाफ कार्रवाई करके वैश्विक सेवा की है। यह अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम पंक्ति के योद्धा के रूप में खड़ा है। दुनिया को कार्रवाई करने के लिए जागरूक होना चाहिए और आतंक के अपराधियों और इसके खिलाफ काम करने वालों के बीच नैतिक समानता स्थापित करना बंद करना चाहिए - चाहे उनके संकीर्ण, अल्पकालिक, दिखावटी विचार कुछ भी हों। सिंदूर सिद्धांत का आर्थिक आयाम भी महत्वपूर्ण है। आतंकवाद के साथ कोई व्यापार नहीं की स्पष्ट घोषणा करके, भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आर्थिक उपायों को क्रियान्वित किया है। व्यापार और सिंधु जल संधि जैसी संधियों को निलंबित करने जैसे कदम आर्थिक संबंधों को राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों के साथ मजबूती से संरेखित करने के भारत के संकल्प को रेखांकित करते हैं। ये उपाय एक स्पष्ट संदेश देते हैं- आतंक के खात्मे के बाद आर्थिक संबंध बनने चाहिए, न कि पहले। अस्तित्व आधारित संदेश यह है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। नारी-शक्ति से जुड़ा एक शक्तिशाली आख्यान ऑपरेशन के संदेश को पुष्ट करता है और इसे सुर्खियों में लाता है- भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका। ऑपरेशन के बाद दो महिला अधिकारियों ने प्रमुखता से सैन्य प्रेस वक्तव्यों का नेतृत्व किया, जो भारत के रक्षा परिदृश्य में महिलाओं के बढ़ते महत्व का प्रतीक है। नारी शक्ति (महिला सशक्तिकरण) के इस क्षण ने महिलाओं के प्रति भारत के सभ्यतागत सम्मान को मजबूत किया, रानी लक्ष्मीबाई से लेकर समकालीन महिला सैन्य अधिकारियों तक के ऐतिहासिक उदाहरणों की प्रतिध्वनि की, जिससे राष्ट्रीय गौरव को लैंगिक समावेश के साथ जोड़ा गया। भारत की सैन्य ताकत घरेलू नवाचार की मदद से तेजी से बढ़ रही है। हालांकि, कुछ विदेशी प्रणालियों का इस्तेमाल किया गया था, स्वदेशी मिसाइलों, ड्रोन और निगरानी उपकरणों की सफल तैनाती, रक्षा में आत्मनिर्भरता की परिचालन परिपक्वता को उजागर करती है। यह हमारे निर्यात जोर और मांग को बढ़ाता है। हमने भारत में आयातित और सह-निर्मित हथियार प्रणालियों के साथ-साथ पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली हथियार प्रणालियों का भी परीक्षण किया और इनसे हमारे द्वारा लिए गए सही निर्णयों की पुष्टि हुई। ऑपरेशन सिंदूर से यह स्पष्ट हो गया कि भारत वैधता नहीं चाहता - वह न्याय चाहता है। भारतीय संयम को कभी भी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। सिंदूर सिद्धांत केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं है; यह सैद्धांतिक स्पष्टता का एक सक्रिय दावा है। भारत के नागरिकों के, विशेषकर महिलाओं के जीवन, गरिमा, भलाई और सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इसी बिंदु पर राष्ट्रीय सुरक्षा का राष्ट्रीय सम्मान के साथ संगम होता है। यहीं पर प्राचीन मूल्य, आधुनिक ताकत के साथ मिलते हैं। और यहीं पर भारत खड़ा है- निडर, अडिग और एकजुट।

जय हिंद।

लेखिका संयुक्त राष्ट्र की पूर्व सहायक महासचिव और संयुक्त राष्ट्र महिला की उप कार्यकारी निदेशक तथा भारत की पूर्व राजदूत हैं

समाजहित के कार्यों को गति देने में सहयोग करूंगी : मेयर

रुड़की। इनरव्हील क्लब रुड़की ने मेयर अनीता अग्रवाल का स्वागत कर क्लब के द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। मंगलवार को उन्हें क्लब का सदस्य भी नियुक्त किया गया। मेयर ने समाजसेवा में बढ़-चढकर भागीदारी करने का वादा किया। रुड़की टॉकीज चौक के समीप स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में क्लब पदाधिकारियों ने मेयर को सदस्यता ग्रहण कराई गई। मेयर अनीता अग्रवाल ने कहा कि क्लब से जुड़ी महिलाएं समाजसेवा कर मिसाल कायम कर रही हैं। भविष्य में वह भी उनके साथ समाजहित के कार्यों को गति देने का काम करेंगी। डिस्ट्रिक चेयरमैन सुजाता आहूजा ने कहा कि मेयर अनीता अग्रवाल वास्तव में नारी उत्थान की एक मिसाल हैं जो कि शिक्षा नगरी का मजबूती के साथ नेतृत्व कर रही हैं। अध्यक्ष रमा भार्गव ने कहा कि संगठन का काम जरूरमंद लोगों की मदद करना है। इस अवसर पर चार अध्यापिकाओं डॉ. हिमाद्रि , डॉ. इला द्विवेदी, बबीता त्यागी, सुधा सैनी को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही एक जरूरतमंद कन्या को सिलाई मशीन दी और एक साइकिल भेंट की। इस मौके पर शशी कीर, संगीत, रजनी, फराह, कामना सरीन आदि मौजूद रहीं।

गंगा सभा व प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने किया वाटर कूलर का उद्घाटन

हरिद्वार। हरकी पैड़ी की प्रबंधकारिणी संस्था श्रीगंगा सभा एवं इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के सहयोग से प्रेस क्लब प्रांगण में स्थापित किए गए वाटर कूलर का उद्घाटन श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम, महामंत्री तन्मय वशिष्ठ, महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी, प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी व महासचिव दीपक मिश्रा ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया। प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी व महासचिव दीपक मिश्रा ने फूलमाला पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंटकर गंगा सभा पदाधिकारियों व स्वामी ललितानंद गिरी का स्वागत किया और वाटर कूलर भेंट करने लिए आभार जताया। श्रीगंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम एवं महामंत्री तन्मय वशिष्ठ ने कहां कि समाज को

जागरूक करने में पत्रकारों की बड़ी भूमिका है।हरिद्वार प्रेस क्लब पत्रकारों की बड़ी संस्था है। तमाम विशिष्ट क्षेत्रों से जुड़े लोगों को अपनी बात और विचार जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए प्रेस क्लब मंच उपलब्ध कराता है। प्रेस क्लब सकारात्मक पत्रकारिता को आगे बढ़ाने के साथ सामाजिक दायित्व निभाते हुए समाज सेवा में भी अनुकरणीय योगदान कर रहा है। महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी महाराज ने कहा कि समाज में जनचेतना का प्रसार करने में पत्रकारों की अहम भूमिका है। जल सेवा करना ईश्वर भक्ति के समान है। सभी को मानव कल्याण में योगदान करना चाहिए। प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी एवं महासचिव दीपक मिश्रा ने कहा कि धर्म और अध्यात्म के प्रचार प्रसार के साथ श्रीगंगा पदाधिकारी जनसेवा में भी अहम योगदान कर रहे हैं।श्रीगंगा सभा के सहयोग से प्रेस क्लब में वाटर कूलर स्थापित होने से पत्रकारों के साथ जनसामान्य को भी शुद्ध शीतल जल की सुविधा मिलेगी। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार शिवशंकर जायसवाल, आदेश त्यागी, सुनीलदत्त पांडे, पूर्व अध्यक्ष अमित शर्मा, संजय आर्य आदि ने भी श्री गंगा सभा पदाधिकारियों का आभार जताया। इस अवसर पर श्री गंगा सभा के स्वागत मंत्री सिद्धार्थ चक्रपाणी, उपाध्यक्ष मनोज झा, घाट व्यवस्था सचिव वीरेंद्र कौशिक, गंगा सेवक दल के सचिव उज्जवल पंडित, सुधीर शर्मा, कोषाध्यक्ष अविनाश श्रोत्रिय, कार्यकारिणी सदस्य अभय त्रिपाठी, गौरव झा, दलपति पुनीत त्रिपाठी, प्रेस क्लब कोषाध्यक्ष काशीराम सैनी, बालकृष्ण शास्त्री, अविक्षित रमन, रामचंद्र कन्नौजिया, राहुल वर्मा, मयूर सैनी, सुनील पाल, मनोज खन्ना, सुनील मिश्रा, रोहित सिखोला, शिवकुमार शर्मा, महावीर नेगी, मुदित अग्रवाल, महेश पारीख, अमित गुप्ता, विकास कुमार, सूर्यकांत बेलवाल, बृजपाल, आशीष धीमान, हिमांशु द्विवेदी, दयाशंकर वर्मा, रविंद्रपाल सिंह, जिला सूचना अधिकारी नदीम अहमद के अलावा पुलकित शुक्ला, सचिन सैनी, जहांगीर मलिक, सचिन कुमार, अमरीश, राजकुमार पाल, हरीश, सुमित यश कल्याण, कुलदीप, छोटा विकास आदि मौजूद रहे।

कबाड़ के गोदाम आग लगने से मचा हड़कंप

रुड़की। घाड़ क्षेत्र के गांव खेलड़ी गांव के समीप कबाड़ के गोदाम में अचानक आग लग गई। धुआं उठता देख लोगों ने जानकारी गोदाम स्वामी व पुलिस को दी। सूचना मिलते ही दमकल की टीम ने मौके पर पहुंचकर बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक सारा सामान जलकर राख हो गया था। मंगलवार दोपहर बाद खेलड़ी गांव के समय कबाड़ के गोदाम में अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया। तभी गोदाम से धुआं उठता देख आसपास के लोगों ने जानकारी गोदाम स्वामी व दमकल को दी। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने गोदाम स्वामी ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया। चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक गोदाम में लगी आग ने सारा सामान जलाकर राख कर दिया था। गोदाम स्वामी सादाब व सावेज निवासी करौंदी ने बताया कि आग लगने से करीब सात लाख रुपये की लागत का सामान जलकर राख हो गया है।

देशभक्ति नारों से गूंज उठी तिरंगा यात्रा

रुड़की। ढंडेरा नगर पंचायत में स्थित महाराणा प्रताप इंटर कालेज के छात्र-छात्राओं ने मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर और भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य के सम्मान में एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को नमन करने के साथ ही युवाओं एवं छात्र-छात्राओं में राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत की गई। मंगलवार को तिरंगा यात्रा कॉलेज के प्रबंधक कुंवर संजीव कुशवाहा, प्रधानाचार्य संगीता ठाकुर, किसान सेवा सहकारी समिति नगला ईमरती के अध्यक्ष रवि राणा की मौजूदगी में शुरू हुई। इसमें बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं, समाजसेवी संस्थाएं और नागरिकों ने भाग लिया।

परमार्थ निकेतन में नि:शुल्क मल्टी स्पेशलिस्ट चिकित्सा शिविर का आयोजन

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन में नि:शुल्क मल्टी स्पेशलिस्ट चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में 100 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। मंगलवार को स्वामी शुकदेवानन्द धर्मार्थ चिकित्सालय के तत्वावधान में मेदांता द मड्डेडिसिटी गुरुग्राम की विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के सहयोग से नि:शुल्क मल्टी स्पेशलिस्ट चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में मेंदाता से आये डॉ. हिमांशु पूनिया, डॉ. रमेश, डा सूपर्णा, नर्सिंग ज्योति, अनुराधा, सतीश, रमन टीम मेनेजर, देशराज सहित परमार्थ निकेतन की टीम प्रेमराज, डा. राठी, डा. एसएन मिश्रा, प्रेम, नीरू, गौरव ने अपनी सेवाएं दी। जिसमें कुल 100 से अधिक लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और आवश्यक दिवाइयां भी वितरित की गई। इसके साथ ही हृदय, सांस संबंधी व सामान्य रोगों की जांच, परामर्श, ईसीजी, बीपी, ब्लड शुगर भी किए

गए। शिविर के समापन अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने सभी चिकित्सकों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि सेवा ही सच्चा साधना मार्ग है। जब सेवा में समर्पण और करुणा का संगम होता है, तब वह केवल उपचार नहीं, बल्कि व्यक्ति के मन और आत्मा को भी स्पर्श करता है। ऐसे शिविर, केवल रोगों का इलाज नहीं करते, बल्कि विश्वास, मानवता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करते हैं। कहा कि अगला मल्टी स्पेशलिस्ट चिकित्सा शिविर 10 एवं 11 जून को पुन: आयोजित किया जाएगा।

ग्रामीणों की आय बढ़ाएगा पिरुल, वनाग्नि की घटनाओं पर भी लगेगी रोक

उत्तरकाशी। अपर यमुना वन प्रभाग, बड़कोट के अंतर्गत वनाग्नि सीजन 225 के दौरान वनाग्नि घटनाओं की रोकथाम के कार्यों में वन पंचायत के माध्यम से स्थानीय ग्रामवासियों को जोड़ा जा रहा है। जिसमें प्रभाग द्वारा इस वर्ष प्रथम चरण में 37 वन पंचायतों के माध्यम से पिरुल एकत्रीकरण का कार्य कराया जा रहा है, जिससे जहां वनाग्नि की घटनाओं में रोक लगेगी। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों के आय के साधन में भी बढ़ोतरी होगी। प्रभाग द्वारा पिरुल के लिए 10रुपये प्रति किलो की दर से वन पंचायतों को भुगतान किया जाएगा, इससे स्थानीय ग्राम वासियों के आर्थिक विकास में सहायता मिलेगी। प्रभागीय वनाधिकारी रविन्द्र पुण्डीर ने अवगत करते हुए बताया है कि इस वर्ष प्रभाग अंतर्गत लगभग 20कुन्तल पिरुल एकत्रीकरण किया जाएगा तथा वर्तमान में वन पंचायतों के माध्यम से स्थानीय जन-मानस की सहभागिता से पिरुल एकत्रीकरण कार्य प्राथमिकता पर किया जा रहा है। एकत्रित पिरुल के फॉरवर्ड लिंकेज के लिए निजी फर्म के साथ प्रभाग द्वारा अनुबंध किया गया है। वनाग्नि की रोकथाम एवं प्रबंधन के लिए स्थानीय ग्रामीणों की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से शासन स्तर प्राप्त दिशा निर्देशों के क्रम में इस वर्ष प्रथम चरण अंतर्गत 20ग्रामों में वनाग्नि सुरक्षा प्रबंधन समितियों का गठन कर सम्बधित वन क्षेत्राधिकारी एवं उक्त समितियों के मध्य अनुबंध किया गया है। समितियों को वनाग्नि सुरक्षा के लिए क्षेत्र आवंटित किए गए हैं तथा समितियों को नियमानुसार प्रोत्साहन धनराशि दिये जाने का भी प्रावधान रखा जाएगा।

तहसील दिवस में राजस्व विभाग से संबंधित अधिक शिकायतें

रुड़की। तहसील दिवस मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में मंगलवार को एसडीएम लक्सर सौरभ सिंह असवाल ने क्षेत्र के ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। शिविर में सबसे ज्यादा शिकायतें खुद राजस्व विभाग से संबंधित मिलीं। इनके अलावा पुलिस, चकबंदी, आपूर्ति विभागों को लेकर भी कई लोगों ने प्रार्थना पत्र दिए। एसडीएम असवाल ने बताया कि तहसील दिवस में कुल 29 लोगों ने अपनी दिक्कतों को लेकर प्रार्थना पत्र दिए थे। इन सभी पर गंभीरता से सुनवाई करते हुए आठ प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई-34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं
एस-3, अशोक विहार कालोनी,
कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
से प्रकाशित।
सम्पादक: **देवेन्द्र जौहरी**
मो. – **9997331129**
E-mail :
gurukripadarpan@gmail.com